Regarding request to cancel the Dungri Dam project and protecting 76 affected villages

श्री भजन लाल जाटव (करौली-धौलपुर) : महोदया, मैं आपका ध्यान मेरे संसदीय क्षेत्र करौली-धौलपुर की तरफ आकर्षित करना चाहूंगा । ईआरसीपी योजना के तहत वहां पर डूंगरी बांध का निर्माण योजना लागू की जा रही है । वहां पर बहुत बड़ा आंदोलन हुआ और तकरीबन एक लाख व्यक्ति एकत्रित हुए । मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि 76 गांवों को वहां उजाड़ने का काम किया जा रहा है । ग्रामीण विकास मंत्रालय एक्ट के तहत जब कोई जमीन एक्वायर की जाती है तो ग्राम पंचायतों से अनुमति ली जाती है, बाढ़ पंचों की मीटिंग की जाती है । बगैर पंचायतों की अनुमति के वहां काम हो रहा है । वहां के लोगों की इसमें सहमति नहीं ली गई । वहां बगैर सहमति के डूंगरी बांध बनाने का ऐलान कर दिया गया है ।

मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि डूंगरी बांध को निरस्त करके वहां के लोगों को न्याय दिलाने का काम करें । वहां पर हमारी संस्कृति है, आजीविका के साधन है, 76 गांवों के धार्मिक स्थल हैं, मंदिर हैं, शमशान हैं, जल स्रोत हैं, ये सारी चीजें वहां पर नष्ट हो जाएंगी । मेरा निवेदन है कि सरकार फौरन इस काम को निरस्त करके वहां के लोगों को बचाने का काम करें । सरकार की ऐसी कौन सी मंशा है कि एससी, एसटी के लोग जहां पर होते हैं, वहां पर डूंगरी बांध और अन्य संस्थान जैसी योजनाएं लाकर उनको उजाड़ने का काम किया जा रहा है । आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद ।